सब के लिये शुभ संदेश

प्रश्नोत्तरी

अध्याय – 1

1. इस पत्र को इस प्रकार समझा जा सकता है:
    A. एक गंभीर उपदेश
    B. प्रश्नों और उत्तरों की एक श्रृंखला
    C. रोम की कलीसिया के एक पिछले पत्र का जवाब
2. रोमियों में, पौलुस के विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए, इस पत्री के लिए सबसे अच्छा शीर्षक क्या होगा?
    A. मैं, पौलुस
    B. धर्म-पंथों से सावधान रहें
    C. सुसमाचार
3. पौलुस इस पत्री के पाठकों को किस रूप से संबोधित करता है?
    A. अन्यजातियों
    B. संतों
    C. रोमियों
4. _____ सुसमाचार के लेखक हैं:
    A. परमेश्वर
    B. पौलुस
    C. अब्राहम

5. सुसमाचार

    A. का वादा पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने किया था।

    B. परमेश्वर द्वारा सोचा गया था जब यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया।

    C. कलीसिया द्वारा धीरे-धीरे विकसित किया गया था।

6. सुसमाचार शब्द का अर्थ है:

    A. "रोमांचक समाचार।"

    B. "बुरी खबर।"

    C. "शुभ समाचार।"

7. यीशु को उसके _____ के द्वारा परमेश्वर का अनन्त पुत्र दिखाया गया था:

    A. सूली पर चढ़ने के द्वारा

    B. पुनरुत्थान के द्वारा

    C. जीवन के द्वारा

8. ईश्वर लोगों को किस सिद्धांत पर बचाता है

    A. अच्छे काम करना और बपतिस्मा लेना।

    B. यीशु पर विश्वास करना और अच्छे काम करना।

    C. प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करना।

9. पद 17 में हम सीखते हैं कि परमेश्वर की धार्मिकता प्रकट होती है:

    A. उपदेश देकर

    B. हमारे अंतर्ज्ञान के माध्यम से

    C. सुसमाचार में

10. अन्य बातों के अलावा, "परमेश्वर की धार्मिकता" का अर्थ है:

A. परमेश्वर ने उन्हें सिद्ध स्थिति प्रदान की जो उसके पुत्र में विश्वास करते हैं।

B. वह न्याय जो परमेश्वर अपने शत्रुओं पर लाएगा।

C. सृष्टि में सब कुछ देखने की परमेश्वर की क्षमता।

आप क्या कहते हैं?

आप कैसे सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप स्वर्ग जाने के योग्य धर्मी हैं?

अपना जवाब समझाएं।

_____

_____

_____

अध्याय – 2

1. सृष्टि की प्रत्यक्ष गवाही के कारण, परमेश्वर लोगों से अपेक्षा करता है कि:
   A. वे उन्हें पहचाने और परमेश्वर के रूप में उसकी महिमा करें।
   B. वे उनके उद्धार की योजना को जानें।
   C. वे पर्यावरण का अच्छा ख्याल रखें।
2. जिन्होंने कभी मसीह के द्वारा उद्धार का सुसमाचार नहीं सुना
   A. वे नष्ट हो गए हैं, क्योंकि वे सत्य नहीं जानते हैं।
   B. वे नष्ट हो गए हैं क्योंकि परमेश्वर उन्हें प्यार नहीं करता।
   C. सृष्टि में परमेश्वर की गवाही को अस्वीकार कर नष्ट हो जाते हैं।
3. लोग मूर्तियों की पूजा करने का मूल कारण है:

A. वह मूर्तियाँ ईश्वर का सच्चा प्रतिनिधित्व करती हैं

B. ताकि वे जैसे जीना चाहें जी सकें

C. कि सभी धर्म मूर्तिपूजा से विकसित हुए हैं

4. अध्याय 3:19-20 यह साबित करता है:

A. परमेश्वर के प्रति अच्छे इरादों वाले व्यक्ति का उद्धार हो जाएगा।

B. केवल यहूदी व्यक्ति का ही उद्धार हो सकता है।

C. अच्छे कार्यों से कोई भी, कभी भी, उद्धार नहीं पाएगा।

5. रोमियों 2:2-16 के अनुसार, परमेश्वर का न्याय:

A. यहूदी राष्ट्र के प्रति पक्षपाती है

B. यहूदियों और अन्यजातियों के प्रति निष्पक्ष है

C. अच्छा जीवन जीने वालों के प्रति पक्षपाती है

6. रोमियों 2 के अनुसार, परमेश्वर अन्यजातियों का न्याय कैसे करेगा?

A. व्यवस्था के आधार पर

B. अपने विवेक के आधार पर

C. उनका न्याय नहीं किया जाएगा

7. यहूदी लोगों को परमेश्वर के द्वारा व्यवस्था दी गई थी, और

A. उन्होंने ईमानदारी से परमेश्वर के व्यवस्था का पालन किया।

B. उनका परमेश्वर पर विशेष अधिकार था।

C. वे धार्मिक अहंकार से भरे हुए थे।

8. _____ परमेश्वर द्वारा, इब्राहीम के साथ अपनी वाचा के संकेत के रूप में स्थापित एक विधि था।

A. बपतिस्मा

B. खतना

C. प्रभु-भोज

9. निम्नलिखित में से क्या यहूदी विरासत में पैदा होने का लाभ है?

A. उन्हें चुनने के लिए कई देवताओं को दिया गया था।

B. उन्हें परमेश्वर के व्यवस्था को संपूर्ण रूप से पूरा करने के लिए चुना गया था।

C. उन्हें पवित्र शास्त्र को लिखने का ज़िम्मेदारी मिला था।

10. व्यवस्था:

A. ने सारी मानवता के पाप के प्रति बोध को उजागर कर दिया।

B. एक यहूदी व्यक्ति की धार्मिकता का बखान करता है।

C. उद्धार का एकमात्र तरीका प्रदान करता है।

आपका क्या कहना है?

हमारे लिए यह स्वीकार करना इतना कठिन क्यों है कि हम सुसमाचार पर विश्वास किए बिना नष्ट हो जाएँगे?

_____

_____

_____

अध्याय – 3

1. परमेश्वर ने पाप के लिए जो दण्ड निर्धारित किया है, वह है:

A. सार्वजनिक सेवा

B. कारागृह

C. मृत्यु

2. नया नियम के धर्मी ठहराये जाने के सिद्धांत के अनुसार:
   A. जिस क्षण वे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, उसी क्षण परमेश्वर एक पापी को पूरी तरह से धर्मी के रूप में गिनता है।
   B. जब कोई व्यक्ति विश्वास करता है तो वह अपने प्रयासों से धर्मी बन जाता है।
   C. एक विश्वासी जैसा चाहे प्रेम कर सकता है।
3. पवित्रीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा परमेश्वर:
   A. लोगों को पवित्र बनाता है और फिर उन्हें पवित्र घोषित करता है।
   B. लोगों को पवित्र घोषित करता है और फिर उन्हें पवित्र बनाता है।
   C. लोगों को इतना पवित्र बना देता है कि वे निष्पाप हो जाते हैं।
4. कौन सा व्यक्ति परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी है?
   A. वह जो परमेश्वर के नियम को एक नैतिक नियम के रूप में रखता है।
   B. जो मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता हो कर विश्वास करता है।
   C. धार्मिक जीवन जीने वाला।
5. "उसके अनुग्रह से सेंतमेंत धर्मी ठहरना" का अर्थ है:
   A. परमेश्वर का उद्धार सशर्त है।
   B. लोग खुद को बचा सकते हैं।
   C. उद्धार मुफ्त और अनुपयुक्त है।
6. पुराना नियम की व्यवस्था के धार्मिक माँगें:
   A. सुसमाचारों में नजरअंदाज किया गया है।
   B. उद्धार को विश्वास और कार्यों पर निर्भर करता है।
   C. यीशु मसीह की मृत्यु के द्वारा पूरा किया गया।

7. प्रायश्चित का अर्थ है:
    A. पाप के विरुद्ध परमेश्वर का क्रोध कम हो गया है।
    B. परमेश्वर की धार्मिक मांगों को क्रूस पर पूरा किया गया है।
    C. परमेश्वर उन पापियों को क्षमा करेगा जो अच्छा जीवन व्यतीत करते हैं।
8. निम्न में से कौन सा सत्य है?
    A. मसीह की मृत्यु से पहले, लोगों को कर्मों द्वारा बचाया गया था।
    B. मसीह के कार्य में विश्वास हमेशा उद्धार का आधार है।
    C. उद्धार के लिए पशुओं की बलि पर्याप्त थी।
9. रोमियों 3:27-28 के अनुसार, यदि कुछ करके लोगों को बचाया जा सकता है,
    A. परमेश्वर उनके साथ अपनी महिमा साझा करेगा।
    B. स्वर्ग जाने वाले और लोग होंगे।
    C. तो उनके पास शेखी बघारने का एक कारण हो सकता है।
10. सुसमाचार:
    A. कानून को बनाए रखता है।
    B. कानून की जगह लेता है।
    C. कानून की उपेक्षा करता है।

आपका क्या कहना है?

क्या आप परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी हैं? अपना जवाब समझाएं।

_____

_____

_____

अध्याय – 4

1. पुराना नियम के किन दो संतों के उदाहरणों से पता चलता है कि सुसंचार पुराना नियम से सहमत है?
   A. दाऊद, जो व्यवस्था दिए जाने से पहले जीवित रहा, और अब्राहम, जो बाद में जीवित रहा।
   B. अब्राहम, जो व्यवस्था दिए जाने से पहले जीवित रहा, और दाऊद, जो बाद में जीवित रहा।
   C. अब्राहम और दाऊद, जो दोनों दिए गए व्यवस्था के बाद जीवित रहे।
2. इब्राहीम परमेश्वर के सामने कैसे धर्मी ठहराया गया?
   A. कार्यों के द्वारा, जिसने उसे घमंड करने का कारण दिया।
   B. कार्यों के द्वारा, हालांकि वह घमंड नहीं कर सकता।
   C. विश्वास के द्वारा, चूँकि उसका विश्वास धार्मिकता के रूप में गिना गया।
3. निम्नलिखित में से कौन सा परमेश्वर की दृष्टि में उचित है?
   A. वह जो धार्मिक तीर्थों की यात्रा करता है
   B. जो मानवता की सेवा करता है
   C. जो यीशु मसीह में विश्वास करता है
4. दाऊद की क्षमा का आधार क्या था?
   A. केवल परमेश्वर का अनुग्रह
   B. उनके द्वारा दिया गया बड़ा बलिदान
   C. अपने पापों के लिए दुःख या प्रायश्चित का उनका महान प्रदर्शन
5. अब्राहम और दाऊद में क्या समानता थी?

A. दोनों व्यवस्था दिए जाने के बाद जीवित थे।

B. दोनों ने व्यवस्था को पूरी तरह से माना।

C. उनके विश्वास के कारण, परमेश्वर ने उनके पाप उनके विरुद्ध नहीं गिने।

6. पौलुस ने कैसे दर्शाया कि धार्मिक अनुष्ठानों का कोई महत्व नहीं है?

A. यह कहते हुए कि यहूदी लोगों को खतना करने की आवश्यकता नहीं है।

B. यह दर्शाते हुए कि इब्राहीम खतने से पहले धर्मी ठहराया गया था।

C. यह घोषणा करना कि बपतिस्मा ने खतने का स्थान ले लिया है।

7. इब्राहीम की धार्मिकता:

A. बिना शर्त के वचन द्वारा निश्चयता दी गई थी।

B. अपने खतना किए जाने पर निर्भर था।

C. उनके विश्वास के बाद उनके व्यवस्था के पालन करने पर निर्भर था।

8. व्यवस्था जो कर सकता है, वह है:

A. जो इसका पालन करते हैं उन्हें धर्मी ठहराएं।

B. सभी लोगों को सिद्ध बनाने में मदद कर सकता है।

C. जो इसका पालन करने में विफल होते हैं उनकी निंदा करता है।

9. अब्राहम का इतिहास लिखा गया:

A. विश्वास के संबंध में हमारे लिए एक सबक के रूप में।

B. हमें यह दिखाने के लिए कि केवल इस्राएली कैसे बचाए जाएंगे।

C. हमें यह दिखाने के लिए कि खतना आवश्यक है।

10. मसीह का पुनरुत्थान:

A. प्रमाण है कि मसीह क्रूस पर नहीं मरे।

B. प्रमाण है कि परमेश्वर कलवरी पर मसीह के काम से संतुष्ट हैं।

C. प्रमाण है कि मसीह की मृत्यु कोई मायने नहीं रखती।

तुम्हारा क्या कहना है?

इब्राहीम किस मायने में "हम सब का पिता" है?

_____

_____

_____

अध्याय – 5

1. सुसमाचार में निहित आशीषें विश्वासी के पास आती हैं:

A. केवल मसीह के द्वारा।

B. केवल प्रार्थना और उपवास के परिणामस्वरूप।

C. केवल तभी जब वे एक निष्पाप जीवन जीते हैं।

2. रोमियों 5 में वर्णित धर्मी ठहराए जाने का पहला फल है:

A. अन्य विश्वासियों के प्रति नया प्रेम।

B. परमेश्वर के साथ शांति।

C. पाप के किसी भी प्रलोभन से मुक्ति।

3. "यह अनुग्रह जिसमें हम खड़े हैं" है:

A. पाप से मुक्ति और पाप करने से मुक्ति।

B. आर्थिक समृद्धि का आश्वासन।

C. परमेश्वर की आशीष और अनुग्रह का एक अद्भुत स्थान।

4. निम्न में से कौन सा सत्य है?

A. विश्वासी के पास कोई परीक्षा या क्लेश नहीं होगा।

B. परमेश्वर एक विश्वासी की कठिन परीक्षाओं का उपयोग उनकी भलाई के लिए करेगा।

C. परीक्षा हमेशा परमेश्वर की ओर से एक न्याय होता है।

5. एक विश्वासी के स्वर्ग के प्रति पूर्ण रूप से निश्चित होने का एक कारण यह है:

A. क्योंकि वे नियमित रूप से चर्च जाते हैं।

B. कि उनका बपतिस्मा हो गया है।

C. कि मसीह जीवित हैं और उन्हें बचाये रखेंगे।

6. पौलुस ने अपने सारांश में जिन दो सच्चाइयों पर ज़ोर दिया है, वे हैं:

A. धार्मिकता और पवित्रीकरण।

B. निंदा और धार्मिकता।

C. विश्वास और कार्य।

7. "आदम में" होने का परिणाम यह है:

A. सभी के मानवाधिकार हैं।

B. सभी जन्मजात पापी हैं और मृत्यु के अधीन हैं।

C. हर कोई स्वर्ग में अनंत काल का आनंद उठाएगा।

8. जैसे आदम पाप करने के बाद पैदा हुए सभी लोगों का प्रतिनिधि था, वैसे ही यीशु मसीह भी उनका प्रतिनिधि है:

A. जो बाइबल पढ़ते हैं।

B. जो कभी पाप नहीं करते हैं।

C. जो उद्धार के लिए उस पर भरोसा करते हैं।

9. इनमें से कौन सा बड़ा है?

A. मानवता का पाप।

B. परमेश्वर का अनुग्रह।

C. मानवता की आवश्यकता।

10. अब हम आदम के पाप से पीड़ित नहीं हैं, क्योंकि:

A. यीशु अब हमारे प्रतिनिधि हैं।

B. आदम लंबे समय से मर चुका है।

C. हमारे भले काम आदम के पाप के प्रभाव पर काबू पा लेते हैं।

आपका क्या कहना है?

पाठ 5 में उल्लिखित धार्मिकता के छह परिणामों में से कौन सा आपके लिए सबसे सार्थक है और क्यों?

_____

_____

_____

अध्याय – 6

1. प्रभु यीशु में विश्वास करने वाला:

A. पाप में मरा हुआ है।

B. बी पाप के प्रति मरा हुआ है।

C. पाप के प्रति ज़िंदा है।

2. रोमियों 6 के अनुसार विश्वासी का पुराना स्वभाव:

A. पूरी तरह से समाप्त हो गया।

B. मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया।

C. परमेश्वर द्वारा शुद्ध किया गया।

3. रोमियों 6 में, हमारे पुराने स्वभाव का क्या हुआ, इसका वर्णन करने के लिए किस चित्र का उपयोग किया गया है?

A. विवाह

B. जन्म

C. बपतिस्मा

4. रोमियों 6 में जो मसीह के पुनरूत्थान के पहलू पर ज़ोर दिया गया है:

A. वह उसका ऐतिहासिक तथ्य है।

B. वह विश्वासी का आत्मिक भाग यहाँ और अभी है।

C. वह शारीरिक पुनरुत्थान की निश्चयता है।

5. कौन-से व्यावहारिक कदम विजयी जीवन का योग हैं?

A. प्यार, आनंद और शांति

B. विश्वास, आशा और प्रेम

C. जानें, विचार करें और समर्पण करें

6. एक विश्वासी का अपने शरीर के प्रति क्या दृष्टिकोण होना चाहिए?

A. उन्हें अपनी इच्छाओं को पूरा करना चाहिए।

B. उन्हें इसे पूरी तरह से परमेश्वर को सौंप देना चाहिए।

C. उन्हें पाप के कारण दंडित करना चाहिए।

7. पाप को अब विश्वासी पर शासन करने का अधिकार नहीं है क्योंकि:

A. उनमें पवित्र आत्मा का वास है।

B. वे अनुग्रह के अधीन हैं न कि व्यवस्था के।

C. वे प्रलोभन के लिए मर चुके हैं।

8. पवित्र जीवन जीने के लिए हमें क्या प्रेरित करना चाहिए?

A. अनुशासन - "मुझे करना है"

B. कर्तव्य - "मुझे करना चाहिए"

C. भक्ति - "मैं चाहता हूँ"

9. एक सच्चा मसीही पापी जीवन नहीं जीने का चुनाव करता है क्योंकि:

A. उसमें एक नया स्वभाव है जो पाप से घृणा करता है।

B. पवित्र आत्मा उन्हें धार्मिकता से जीने में सक्षम बनाता है।

C. A और B दोनों सही हैं।

10. एक मसीही होने के मायने:

A. अपनी परिस्थितियों का दास होना।

B. प्रभु यीशु का सेवक होना।

C. भले कार्यों का सेवक होना।

आपका क्या कहना है?

इसका क्या अर्थ है कि हम अब पाप के दास नहीं हैं?

_____

_____

_____

अध्याय – 7

1. रोमियों 7 में, व्यवस्था के साथ विश्वासी के संबंध को क्या चित्रित करता है?

    A. विवाह और तलाक

    B. बी विवाह और मृत्यु

    C. मृत्यु और दफ़न करना

2. प्रभु यीशु इस अर्थ में व्यवस्था के लिए मर गए:

    A. उन्होंने मांगे गए जुर्माने का भुगतान किया।

    B. उन्हें इसका पालन करने की आवश्यकता नहीं थी।

    C. उन्होंने सिखाया कि यह बेकार था।

3. विश्वासी के लिए व्यवस्था की मांगें:

    A. मसीह की मृत्यु में पूरे होते हैं।

    B. उनका कोई महत्व नहीं है, क्योंकि व्यवस्था इस्राएल को दिया गया था।

    C. विश्वासी द्वारा व्यक्तिगत रूप से पूरा किया जाना चाहिए।

4. व्यवस्था के साथ विश्वासी के संबंध को सबसे अच्छी तरह क्या व्यक्त करता है?

    A. विश्वासी को उद्धार पाने के लिए व्यवस्था का पालन करना चाहिए।

    B. विश्वासी के उद्धार को बनाये रखने के लिए व्यवस्था का पालन करना चाहिए।

    C. विश्वासी व्यवस्था के लिए मर चुका है और इसके अलावा पवित्रता का पीछा करता है।

5. विश्वासी मसीह के साथ एक हो जाता है:

    A. यह एक रहस्यमय संबंध है जिसका कोई व्यावहारिक महत्व नहीं।

    B. यह उसके पुनरूत्थित जीवन और सामर्थ्य में हिस्सा लेना है।

C. यह एक कानूनी मामला है।

6. कौन सी आज्ञाओं ने पौलुस को पाप के प्रति सचेत किया?

A. तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।

B. तू अपने पिता और माता का आदर करना।

C. तू व्यभिचार ना करना।

7. व्यवस्था:

A. पाप को कार्य करने का अवसर देता है।

B. जीवन में सच्ची पवित्रता उत्पन्न करता है।

C. विश्वासी के जीवन में परमेश्वर के लिए फल लाता है।

8. रोमियों 7:7-24 में, पौलुस ज्यादातर किसके विषय में कह रहा है:

A. पवित्र आत्मा

B. प्रभु यीशु मसीह

C. स्वयं

9. पौलुस ने आखिरकार वह छुटकारा पा लिया जिसके लिए वह तरस रहा था

A. उपवास और प्रार्थना में।

B. व्यवस्था में ही।

C. प्रभु यीशु मसीह में।

10. आप एक ऐसे मसीही को क्या कहेंगे जो क्रोध से संघर्ष करता है?

A. यह एक बुरी आदत है, और जीत असंभव है।

B. इससे बुरे पाप भी हैं।

C. यह एक गम्भीर पाप है, परन्तु आप इस पर मसीह के द्वारा जय पा सकते हैं।

आपका क्या कहना है?

मसीह के साथ एक होने से हमारा दैनिक जीवन कैसे बदलता है?

_____

_____

_____

अध्याय – 8

1. विश्वासी को पाप की सामर्थ से छुटकारा मिलता है
    A. जब पवित्र आत्मा उसके अंदर वास करती हैं।
    B. परमेश्वर के सारे हथियार बांधने के द्वारा।
    C. खुद को दुनिया से अलग करने के द्वारा।
2. रोमियों 8 की शुरुआत होती है:
    A. कोई धार्मिकता नहीं है।
    B. कोई दोष नहीं है।
    C. कोई अलगाव नहीं है।
3. पाप और मृत्यु की व्यवस्था पर काबू पा लिया गया है:
    A. परमेश्वर की व्यवस्था जो पवित्र और न्यायपूर्ण है।
    B. मन की व्यवस्था।
    C. मसीह यीशु में जीवन की आत्मा की व्यवस्था।
4. विश्वासी में पवित्र आत्मा इसकी निश्चयता देता है:
    A. विश्वासी फिर कभी पाप नहीं करेगा।
    B. विश्वासी का पुराना स्वभाव अब चला गया है।

C. एक दिन विश्वासी की देह मसीह की देह जैसे जी उठेगी ।

5. मसीहियों को शरीर के कामों के साथ क्या करना चाहिए?

A. उनके बारे में घमंड करें

B. उन्हें मार डाले

C. हमारे सुख के लिए उन्हें और अधिक करें

6. विश्वासियों के लिए रोमियों 8 की शिक्षा क्या नहीं है?

A. पवित्र आत्मा द्वारा निर्देशित होना

B. मसीह के संगी वारिस होना

C. कष्टों से मुक्त होना

7. विश्वासी में कौन सी अवस्था अभी पूरी नहीं हुई है?

A. आत्मा का छुटकारा

B. प्राण का छुटकारा

C. शरीर का छुटकारा

8. सारी सृष्टि उस दिन की प्रतीक्षा कर रही है जब:

A. विश्वासियों को परमेश्वर की संतान के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

B. मनुष्य प्रकृति की सभी शक्तियों पर शासन करेगा।

C. दुनिया का अंत आ जाएगा।

9. पवित्र आत्मा संतों के लिए मध्यस्थता करता है

A. जो हमारे अपने से मेल खाता हो।

B. परमेश्वर की इच्छा के अनुसार।

C. हमारी प्रार्थनाओं को वैध बनाने के लिए।

10. परमेश्वर मसीह में विश्वासियों को निश्चयता दिलाता है कि:

A. उन्हें कभी नुकसान नहीं होगा।

B. कोई भी उनके खिलाफ सफलतापूर्वक खड़ा नहीं हो सकता।

C. वे स्वस्थ और धनी होंगे।

आपका क्या कहना है?

पवित्र आत्मा का हमारे अंदर वास करने का कौन सा परिणाम आपके लिए सबसे बड़ी आशीष है?

_____

_____

_____

अध्याय – 9

1. पौलुस इस्राएल के मामले पर चर्चा करता है, क्योंकि:

A. उन्हें उद्धार के योजना से बाहर रखा गया था।

B. उन्हें उद्धार के योजना से छूट दी गई थी।

C. इस्राएल को अस्थायी रूप से परमेश्वर द्वारा अलग कर दिया गया है।

2. इस्राएल की आशीषों की सूची में क्या शामिल नहीं है?

A. मॉल लेना

B. बादल, जो परमेश्वर की उपस्थिति का संकेत है

C. कनान में अपने सभी शत्रुओं पर विजय

3. पुराना नियम के समय में परमेश्वर की प्रतिज्ञाएँ

A. सशर्त थी, यदि इस्राएल मसीहा को स्वीकार करेगा।

B. समग्र रूप से केवल राष्ट्र के लिए थी, व्यक्तियों के लिए नहीं।

C. इस्राएल राष्ट्र के भीतर केवल एक चुने हुए समूह को दिया जाता है।

4. एसाव के बजाए परमेश्वर का याकूब को चुनना प्रमाणित करता है कि उसकी आशीषें:

A. व्यक्ति के अच्छे कार्यों पर निर्भर करता है।

B. परमेश्वर के सार्वभौमिक उद्देश्य पर निर्भर है।

C. धार्मिक कार्यों को करने वाले व्यक्ति पर निर्भर करता है।

5. फिरौन की स्थिति में परमेश्वर की यह सार्वभौमिक गुण दिखती है:

A. उनका व्यक्तित्व और त्रिएक दैवत्व।

B. उनकी दया और न्याय।

C. उनकी सृष्टि की रचना।

6. सभी चीज़ों पर परमेश्वर की सार्वभौमिकता को समझने में हमारी मदद करने के लिए पौलुस किस उदाहरण का इस्तेमाल करता है?

A. कलम और स्याही

B. एक पेड़ और उसके बीज

C. एक कुम्हार और मिट्टी

7. इस्राएल के अलग किए जाने को पौलुस ने किस तरह दर्शाया है:

A. परमेश्वर के मूल उद्देश्य को वायदों में स्पष्ट किया गया है।

B. राष्ट्र का यीशु मसीह के द्वारा उद्धार से इन्कार करना।

C. अन्यजातियों का यहूदी लोगों की तुलना में आशीषों के अधिक योग्य होना।

8. धार्मिकता प्राप्त करने के लिए परमेश्वर सभी लोगों (यहूदी और अन्यजाति) से _____ की अपेक्षा करता है।

A. 10 आज्ञाओं का पालन करें और अपने पड़ोसियों से प्रेम करें।

B. नियमित रूप से परमेश्वर की आराधना करें और भले काम करें।

C. यीशु को प्रभु के रूप में स्वीकार करें और विश्वास करें कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया।

9. इस्राएल का अलग होना:

A. एक स्थायी बात है।

B. एक अस्थायी बात है। ।

C. अन्यजाति सुसमाचार के साथ क्या करते हैं, उस पर निर्भर है।

10. जैतून के पेड़ का चिन्ह क्या दर्शाता है?

A. दुनिया भर के इतिहास में विशेषाधिकार प्राप्त लोग।

B. पुराने नियम के समय में विशेषाधिकार प्राप्त यहूदी राष्ट्र।

C. यहूदी राष्ट्र की आत्मिक आशीषें कलीसिया को विरासत में मिलना।

आपका क्या कहना है?

आपने अपने जीवन में परमेश्वर की सार्वभौमिकता का प्रमाण कहाँ देखा है?

_____

_____

_____

अध्याय – 10

1. विश्वासियों को अपने शरीर को परमेश्वर को किस आधार पैट प्रस्तुत करना चाहिए?

A. परमेश्वर की दया।

B. व्यवस्था द्वारा मांगे गए बलिदान।

C. पौलुस का व्यक्तिगत अनुभव।

2. शेष रोमियों की पत्री हमें बताती हैं कि हमारी प्रतिक्रिया परमेश्वर के प्रति कैसी होनी चाहिए, क्योंकि:

A. वह क्रोध करने वाला परमेश्वर है।

B. उसने हमारे लिए जो कुछ किया है उसके कारण।

C. हमारे उद्धार की अनिश्चितता के कारण।

3. यह कथन, कि विश्वासी अपने शरीर को परमेश्वर को भेंट करते हैं:

A. केवल एक रहस्यमय अर्थ में समझा जा सकता है।

B. बहुत अनुचित है।

C. यह सुसमाचार के लिए एक उपयुक्त प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित किया गया।

4. संसार के प्रति विश्वासी की प्रतिक्रिया यह होनी चाहिए:

A. ए. उसके जैसा बनना है।

B. उसके अनुरूप होने या उसके द्वारा निर्देशित होने से इंकार करना।

C. जानबूझकर उसका विरोध करना है।

5. एक विश्वासी अपने शत्रु को क्षमा करने में सक्षम हो जाता है:

A. जब वे वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हों।

B. पवित्र आत्मा की सामर्थ के माध्यम से।

C. अगर दूसरा व्यक्ति इसका हकदार है।

6. एक विश्वासी जो स्पष्ट रूप से बहुत प्रतिभाशाली और सक्षम है, उसे चाहिए कि:

A. वरदानों को अपने लाभ के लिए उपयोग करें।

B. दूसरों की सेवा करने के लिए विनम्रतापूर्वक उनका उपयोग करें।

C. अपने स्वयं के उवरदानों पर गर्व करें।

7. हमें अन्यविश्वासियों से ऐसा प्रेम करना चाहिए:

A. बलिदान।

B. सशर्त।

C. स्वार्थी।

8. उन्हें सताने वाले के प्रति विश्वासियों का रवैया ऐसा होना चाहिए:

A. उनको नकार देना।

B. उनसे बदला लेना।

C. उनके प्रति दया दिखाना।

9. एक मसीही को सरकार के बारे में कैसा नज़रिया रखना चाहिए?

A. उन्हें सरकार बदलने की कोशिश करनी चाहिए।

B. उन्हें केवल वही मानना चाहिए जो वे उचित समझते हैं।

C. उन्हें सरकार का पालन करना चाहिए, जब तक कि सरकार के प्रति आज्ञाकारिता का अर्थ परमेश्वर के वचन की अवज्ञा करना ना हो।

10. मसीह के वापस आने की उम्मीद में जीवन ऐसा दिखना चाहिए:

A. प्रभु यीशु मसीह को धारण करना।

B. आत्मा में चलने के द्वारा शरीर के लिए कोई प्रावधान नहीं करना।

C. A और B दोनों

आपका क्या कहना है?

स्पष्ट करें कि आपने प्रश्न 9 के लिए दिये गए उत्तर को क्यों चुना।

_____

_____

_____

अध्याय – 11

1. पौलुस के दिनों में "कमजोर" विश्वासियों

   A. को लगा कि उन्हें कुछ प्रकार के भोजन नहीं खाने चाहिए।

   B. ने धार्मिक उद्देश्यों के लिए कुछ विशेष दिनों का पालन किया।

   C. ने उपरोक्त दोनों किया।

2. "मजबूत" विश्वासी वह है जो:

   A. कुछ खास तरह का खाना-पीना नहीं खाता।

   B. हमेशा कलीसिया के हर सभा में भाग लेता है।

   C. यह समझता है कि विशेष आहार और दिनों का मसीही विश्वास में कोई महत्व नहीं हैं।

3. पौलुस इस बात कि वकालत करता है:

   A. छोटे-मोटे मुद्दों में एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक सह लें।

   B. कमजोर विश्वासी को कलीसिया से बाहर निकालना है।

   C. कमजोर और मजबूत विश्वासी एक दूसरे से अलग रहें।

4. मजबूत विश्वासी का न्याय करने वाले को याद रखना चाहिए

   A. विश्वासियों को इस बात की परवाह नहीं करनी चाहिए कि दूसरे क्या कर रहे हैं।

B. वे इससे बेहतर कुछ नहीं जानते हैं।

C. मसीहियों का आकलन करने का अधिकार केवल परमेश्वर के पास है।

5. नैतिक मामलों में कमजोर और मजबूत विश्वासी दोनों को_____।

A. दूसरों के विवेक के अनुसार चलना चाहिए।

B. बी. अपने मन में पूरी तरह से बोध होना चाहिए।

C. दूसरों के विवेक को नकार देना चाहिए।

6. किसी व्यक्ति के कार्यों को उसके _____के संबंध से निर्धारित किया जाना है।

A. परिस्थितियों

B. परमेश्वर के साथ

C. विश्वास

7. रोमियों 14 में कौन सी चेतावनी नहीं पाई जाती है?

A. प्रत्येक व्यक्ति को अपने मन में पूरी तरह से बोध होने दें।

B. हम भले काम करने में हियाव न छोड़ें।

C. हम दूसरों के लिए ठोकर का कारण न बनें।

8. मसीह के न्याय आसन को ध्यान में रखते हुए, यह अच्छा होगा कि

A. सभी कमजोर विश्वासियों को "परिपक्व" होने के लिए कहें।

B. सभी मजबूत विश्वासियों को अपने अधिकार छोड़ने के लिए कहें।

C. हम याद रखें कि हमें अपना लेखा देना होगा।

9. एक विश्वासी को चाहिए कि

A. हमेशा वही करें जो उनको सही लगे।

B. अपने विवेक की सुनें।

C. सुनिश्चित करें कि उनका व्यवहार शांति और दूसरों के उन्नति के लिए हो।

10. हमें कलीसिया में शांति और सद्भाव के लिए प्रयास करना चाहिए क्योंकि:

A. यह हमें एक साथ परमेश्वर की महिमा करने के लिए सहायता करता है।

B. यह हमारे लिए हर बातों को आन्दमय बनाता है।

C. शांति से बढ़कर कुछ नहीं है।

आपका क्या कहना है?

उन लोगों के प्रति आपका क्या दृष्टिकोण है जो "गैर-आवश्यक" मुद्दों पर आपसे असहमत हैं?

_____

_____

_____

अध्याय – 12

1. स्पेन जाने के रास्ते में पौलुस ने किस जगह जाने की योजना बनाई?

A. क्रेते

B. मक़ीदूनिया

C. रोम

2. पौलुस यरूशलेम जाने की योजना बना रहा था:

A. अन्य प्रेरितों के साथ अपनी योजनाओं पर चर्चा करें।

B. यूरोप की कलीसियों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करना।

C. गैर-यहूदी कलीसियाओं का उपहार देने।

3. पौलुस ने अपने समापन अध्याय में जिन लोगों का उल्लेख किया है:

A. खराब उदाहरण होने के लिए फटकार लगाने की जरूरत है।

B. बी रोमनों में सिखाए गए सत्य के जीवित उदाहरण थे।

C. रोम में उनके सभी धर्मान्तरित थे।

4. एक तरह से, यह पाठ उल्लेख करता है कि हम पौलुस की तरह हो सकते हैं

A. हमारे साथी विश्वासियों के प्रति प्रेम और सहयोग दिखा के।

B. कठिन परीक्षाओं में दृढ़ रहकर।

C. झूठी शिक्षा का पालन नहीं कर।

5 हमें अपने शब्दों और कार्यों के बारे में जागरूक होने का एक कारण है

A. केवल अपने भले कार्यों से ही हम उद्धार पा सकते हैं।

B. परमेश्वर सब कुछ देखता है और छोटे कार्यों से भी कलीसिया को प्रोत्साहित कर अपनी महिमा के लिए उपयोग कर सकता है।

C. यदि हम दयालु हैं तो हम दूसरों का सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करते हैं।

6. रोमियों 16:17-19 में उन लोगों के खिलाफ चेतावनी है जो:

A. झूठे सिद्धांत सिखाते हैं।

B. कलीसिया में विभाजन का कारण बनते है।

C. कलीसिया छोड़ देते हैं।

7. अध्याय 16 इंगित करता प्रतीत होता है

A. कलीसिया में एक आधिकारिक वर्गीकरण था।

B. रोम में विश्वासी आपस में विभाजित या प्रतिस्पर्धी नहीं थे।

C. रोम की कलीसिया में बहुत कलह थी।

8. इस समय रोम के विश्वासी कहाँ पर मिल रहे थे?

A. बड़ी सादगी के साथ, निजी घरों में।

B. अलंकृत कलीसिया भवनों में।

C. उत्पीड़न के कारण तहख़ानों में।

9. रोमियों 16:19 में पौलुस का प्रोत्साहन है

A. परमेश्वर के पूरे हथियार पहन लो।

B. परीक्षाओं और क्लेशों के बीच आनंदित रहो।

C. भलाई के लिए बुद्धिमान परंतु बुराई के लिए भोले बने रहो।

10. पौलुस रोमियों की पत्री को _____के साथ समाप्त करता है।

A. प्रशंसा का एक भजन जो हमें पत्र के प्रमुख विषयों को याद दिलाता है।

B. प्रभु की इच्छा में रोम जाने का उनका वादा।

C. प्रभु के दूसरे आगमन का सच।

आपका क्या कहना है?

रोमियों के इस अध्ययन का आपके जीवन लिए क्या मायने है?

_____

_____

_____